सात खातों में करीब एक करोड़ का लेनदेन किया गया, 15 साइबर शिकायतों से जुड़ा जालसाजों का नेटवर्क

मनरेगा के नाम पर खाता खोल मंगाते थे ठगी की रकम, दो दबोचे

साइबर ठगी

बलरामपुर, संवाददाता। साइबर ठगों ने गरीब और सीधे-सादे लोगों के बैंक खातों को ही ठगी का जरिया बना लिया। मनरेगा में काम और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर लोगों के दस्तावेजों से बैंक खाते खुलवाए जाते थे। खाता खुलने के बाद एटीएम, पासबुक, चेकबुक और खाते से जुड़ा मोबाइल सिम तक अपने कब्जे में लेकर पूरा संचालन साइबर ठग करते थे। इसके बाद इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर दोस्तों और फॉलोअर्स को क्रिप्टो करेंसी में निवेश का झांसा दिया जाता। पचपेड़वा पुलिस और साइबर सेल ने ऐसे ही संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सलमान खान पुत्र नूर आलम और अबु हमजा पुत्र अब्दुल मोबीन निवासी औरहवा, थाना पचपेड़वा शामिल हैं। आरोपियों से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, चेकबुक, जॉब कार्ड, पैन कार्ड, तीन आधार कार्ड और 9,350 रुपये नकद मिले हैं। दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब गिरोह की अगली कड़ियों और ठगी की रकम के अंतिम ठिकाने तक पहुंचने के लिए बैंकिंग ट्रेल खंगाल रही है। पुलिस को अब तक सात म्यूल बैंक खातों की जानकारी मिली है। इनमें तीन खातों का बैंक रिकॉर्ड मिल चुका है। इन खातों में कम समय में करीब एक करोड़ रुपये के लेनदेन का पता चला है। साथ ही देशभर की 15 ऑनलाइन साइबर शिकायतें भी इन खातों से जुड़ी मिली हैं।

बलरामपुर में बुधवार को साइबर अपराध गिरोह के गुर्गों की गिरफ्तारी का खुलासा करते एसपी विकास कुमार।

खाता किसी और के नाम, नियंत्रण ठगों के हाथ

गिरोह का तरीका बेहद सुनियोजित था। आरोपी गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा देते थे। मनरेगा जॉब कार्ड बनवाने और खाते में सरकारी पैसा आने का झांसा देकर आधार-पैन कार्ड ले लिए जाते थे। इन्हीं दस्तावेजों से बैंक खाते खुलवाए जाते थे। खाता खुलने के बाद खाताधारक को एटीएम, पासबुक-चेकबुक बाद में मिलने की बात कहकर टाल दिया जाता था। खाते से लिंक मोबाइल नंबर भी आरोपी या गिरोह के किसी अन्य सदस्य के पास रहता था।

- खाता किसी और का, एटीएम से मोबाइल सिम तक पर साइबर ठगों का कब्जा
- इंस्टाग्राम से क्रिप्टो में निवेश का झांसा, म्यूल खातों में मंगाकर रकम करते ट्रांसफर

इंस्टाग्राम को बनाया साइबर ठगी का हथियार

खाते तैयार होने के बाद गिरोह सोशल मीडिया के जरिए ठगी करता था। साइबर ठग इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर फॉलोअर्स और परिचितों को उसी व्यक्ति के नाम से मैसेज भेजते थे। जान-पहचान वाले व्यक्ति के अकाउंट से संदेश आने के कारण लोग भरोसा कर लेते थे। इसके बाद क्रिप्टो करेंसी में ट्रेडिंग, निवेश से कम समय में अधिक मुनाफे का लालच दिया जाता था। पीड़ित के राजी होते ही उसे बताए खाते में रकम भेजने को कहा जाता। रकम म्यूल खातों में पहुंचते ही दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था।

ऐसे खुला नेटवर्क

एक शिकायत से खुला सात खातों का नेटवर्क

मामले की शुरुआत औरहवा निवासी कौशल खान की शिकायत से हुई। उनके मुताबिक करीब दो वर्ष पहले सलमान खान और अबु हमजा ने मनरेगा का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज लिए और बैंक खाता खुलवा दिया। मुंबई से लौटने के बाद जब वह बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके खाते से साइबर ठगी की रकम का लेनदेन हुआ है और खाते के खिलाफ शिकायत दर्ज है। पचपेड़वा थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद जांच आगे बढ़ी तो मामला एक खाते तक सीमित नहीं रहा। पुलिस को ऐसे सात म्यूल खातों का पता चला।

पुलिस अब खंगाल रही पूरी बैंकिंग ट्रेल

पुलिस सातों खातों में आई रकम, ट्रांसफर किए गए खातों और अंतिम लाभार्थियों की जानकारी जुटा रही है। खाताधारकों के दस्तावेज कैसे हासिल किए गए और नेटवर्क में कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जांच हो रही है। मोबाइल सिम और सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अधिकारियों की निगरानी में कार्रवाई हुई। पचपेड़वा पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।